लड्डू गोपाल की आरती

लड्डू गोपाल की आरती

आरती बालकृष्ण की कीजे ।
अपना जनम सफल करि लीजे ।। लीजे ।।

श्री यशोदा का परम दुलारा ।
बाबा की अखियन का तारा ।।

गोपिन केप्राणन का प्यारा ।न केप्राणन का प्यारा ।
इन पर प्राण निछावर कीजे ।।छावर कीजे ।।

आरती बालकृष्ण की कीजे ।
बलदाऊ का छोटा भैया।
कान्हा कहि कहि बोलत मैया ।।
ि बोलत मैया ।।

परम मुदित मन लेत वलैया ।त मन लेत वलैया ।
यह छबि नैनन में भरि लीजे ।। लीजे ।।

आरती बालकृष्ण की कीजे ।
श्री राधावर सुघर कन्हैया।
ब्रज जन का नवनीत खवैया।।
वैया।।

देखत ही मन नयन चुरैया ।
ी मन नयन चुरैया ।
अपना सरबस इनको दीजे।।

आरती बालकृष्ण की कीजे।
तोतरि बोलनि मधुर सुहावे ।
ावे ।
सखन मधुर खेलत सुख पावे ।।
पावे ।।

सोई सुकृति जो इनको ध्यावे।
जो इनको ध्यावे।
अब इनको अपनो करि लीजे।। लीजे।।

आरती बालकृष्ण की कीजे ।